अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

समय : 3 घंटा | तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2017) | दिनांक 20.12.2017

तृतीय वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र | पूर्णांक – 100

बावन बोल – 25

प्र.1 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें – 10

(क) तेईस पदवी कितने भाव? कितनी आत्मा? तथा छह द्रव्य में कौन? नौ तत्व में कौन?

(ख) पन्द्रह योग कितने भाव? कितनी आत्मा?

(ग) आठ कर्मों का उदय, उपशम, क्षय, क्षयोपशम निष्पन्न किस–किस गुणस्थान तक?

प्र.2 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें – 9

(क) आठ कर्मों का बंध उदय सत्ता किस–किस गुणस्थान तक?

(ख) उदय के तैतीस बोल किस–किस कर्म के उदय से?

(ग) चौदह गुणस्थानों में शरीर कितने?

(घ) जीव पारिणामिक के दस भेद कितने भाव? कितनी आत्मा?

(ङ) चौबीस दण्डकों में लेश्या कितनी?

प्र.3 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें – 6

(क) धर्म–अधर्म कितने भाव? कितनी आत्मा?

(ख) आस्त्रव के बीस बोल कितने भाव? कितनी आत्मा?

(ग) जीव पदार्थ कितने भाव? यावत मोक्ष पदार्थ कितने भाव?

(घ) द्रव्य पुण्य, भाव पुण्य कितने भाव? कितनी आत्मा? तथा छह द्रव्य में कौन? नौ तत्व में कौन?

(ड.) ज्ञान–अज्ञान कितने भाव? कितनी आत्मा? तथा छह द्रव्य में कौन? नौ तत्व में कौन?

इक्कीस द्वार – 25

प्र.4 कोई चार बोल पूरे लिखें – 20

(क) वायुकाय (ख) असंज्ञी (ग) अचरम (घ) चक्षुदर्शनी (ङ) अभाषक (च) अपर्याप्त।

प्र.5 कितने व कौन से पाते हैं? एक या दो शब्दों में उत्तर दें (कोई पांच) 5

(क) अज्ञानी – योग व दृष्टि। (ख) सम्यक मिथ्यादृष्टि – दंडक व जीव का भेद।

(ग) अनाहारक – उपयोग व गुणस्थान (घ) औपशमिक सम्यक्त्वी – दण्डक व भाव।

(ड.) सूक्ष्म – वीर्य व आत्मा। (च) अपरीत – योग व उपयोग।

(छ) संयता संयति – योग व पक्ष।

जैन तत्त्वप्रवेश : द्वितीय व तृतीय खण्ड – 30

प्र.6 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर एक या दो शब्द अथवा एक वाक्य में लिखें – 5

(क) निक्षेप किसे कहते हैं?

(ख) दृष्टिवाद के भेदों के नाम लिखें तथा चौदह पूर्व किसके अंतर्गत है?

(ग) द्रव्य पर्यायात्मक वस्तु को क्या कहते हैं?

(घ) मूल कौन से हैं? नाम लिखें।

(ङ) व्रत प्रतिमा लिखें।

(च) पंचेन्द्रिय जीव संज्ञी या असंज्ञी?

(छ) इस पद्य को पूरा करें – भोलेई मत.....आतम काम।।

प्र.7 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें – 15

(क) श्रावक गुण द्वार लिखें।

(ख) विश्राम द्वार लिखें।
(ग) उपासक द्वार की अंतिम तीन प्रतिमा व्याख्या सहित लिखें।
(घ) आगम द्वार को प्रारंभ से लेकर द्वादशांगी का दूसरा नाम क्या है? तक लिखें।
(ङ) श्रावक सुपातर.....गटको रे।। तथा श्रावक ने.....जाणो रे।। दोहों को पूरा करें।
(च) प्रमाण द्वार को प्रारंभ से लिखते हुए – सप्तभंगी से पहले तक लिखें।
(छ) सम्यक्त्व के दूषण व भूषणों की व्याख्या करें।

प्र.8 कोई दो द्वार लिखें। 10

(क) प्रश्नोत्तर द्वार के अन्तर्गत मकोड़े, जूं, खटमल आदि की पूरी पृच्छा लिखें।
(ख) पुण्य–पाप द्वार लिखें।
(ग) दान–दया अनुकम्पा द्वार को प्रारंभ से लिखते हुए – राखै मन में सूध तक लिखिए।

पूर्व कंठस्थ ज्ञान – 20

प्र.9 किन्हीं आठ प्रश्नों के उत्तर एक या दो शब्द अथवा एक वाक्य में लिखें – 8
(प्रत्येक खण्ड से दो प्रश्न हल करिए)

पच्चीस बोल – (क) अंतिम चार निर्जरा (ख) अंतिम चार कर्म (ग) अंतिम चार लेश्या
चतुर्भंगी – (घ) किस निर्जरा के जीव कम, किस निर्जरा के जीव अधिक?
(ड़) ध्यान किस कर्म का उदय?
(च) किस आत्मा के जीव कम, किस आत्मा के जीव अधिक?
पच्चीस बोल की चर्चा – (छ) जीव के नौ भेद किसमें? व कौन–कौन से?
(ज) उड़ती हुई मक्खी में कितने व कौन–कौन से योग? नाम लिखें।
(झ) बारह दण्डक किसमें? व कौन–कौन से नाम लिखें।
तत्त्वचर्चा – (ञ) दया छह में कौन? नौ में कौन? (प) पाप धर्म या अधर्म?
(फ) कर्म सावद्य या निरवद्य?

प्र10 निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखें – 12

(क) कर्म प्रकृति – प्रत्येक प्रकृति व्याख्या सहित लिखें। 'अथवा' चारित्र मोह की प्रकृतियों की स्थिति लिखें।
(ख) प्रतिक्रमण – चतुर्विंशति स्तव का तीसरा व चौथा पद्य लिखें। 'अथवा' वंदना सूत्र को प्रारंभ से लिखते हुए 'दिवसो वइक्कंतो' तक लिखें।
(ग) जैनतत्त्व प्रवेश – सामान्य गुणों के नाम लिखते हुए उनकी व्याख्या करें 'अथवा' द्रव्य–क्षेत्र काल–भाव–गुणद्वार में से आश्रव, संवर, निर्जरा व मोक्ष को लिखें।